गरवी गुजरात

PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 070
दि. 09.07.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

इंडोनेशिया के बाद 3 दिवसीय ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी, 5 बड़े मुद्दों होगी बात

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीन देशों के दौरे के दूसरे चरण में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न पहुंच गए हैं। इससे पहले वह इंडोनेशिया के दौरे पर थे। मेलबर्न पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि यह यात्रा भारत और ऑस्ट्रेलिया की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती देगी।

इस दौरे के दौरान वह ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा पीएम मोदी व्यापार जगत के बड़े नेताओं से मुलाकात करेंगे और भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे। इस दौरे में व्यापार, रक्षा, शिक्षा, तकनीक और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर खास जोर रहेगा।

मेलबर्न पहुंचते ही दिया साझेदारी मजबूत करने का संदेश

ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मेलबर्न पहुंचकर खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि यह दौरा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ताकत देगा। पीएम मोदी ने बताया कि वह प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ अहम मुद्दों पर बातचीत करेंगे। साथ ही ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे, जिन्हें उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों की मजबूत कड़ी बताया।

तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया शिखर सम्मेलन पर रहेगी नजर

इस दौरे का सबसे अहम कार्यक्रम तीसरा भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एंथनी अल्बनीज आमने-सामने बैठकर कई अहम मुद्दों पर चर्चा करेंगे। दोनों नेता आर्थिक रिश्तों को और मजबूत करने के साथ-साथ सुरक्षा, रक्षा, समुद्री सहयोग और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मिलकर काम करने की रणनीति पर भी बात करेंगे। इस बैठक से कई नए समझौते और साझेदारी आगे बढ़ने की उम्मीद है।

व्यापार और निवेश बढ़ाने पर रहेगा फोकस

प्रधानमंत्री मोदी भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईओ फोरम को भी संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में दोनों देशों की बड़ी कंपनियों और उद्योग जगत के प्रमुख लोग शामिल होंगे। बैठक में व्यापार बढ़ाने, निवेश के नए मौके, क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई,

स्वच्छ ऊर्जा, नई तकनीक और स्टार्टअप सेक्टर में साथ काम करने पर चर्चा होगी। दोनों देश चाहते हैं कि आर्थिक रिश्ते और मजबूत हों ताकि कारोबार और रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकें।

शिक्षा, तकनीक और रक्षा सहयोग पर भी होगी चर्चा

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिर्फ व्यापार ही नहीं, बल्कि शिक्षा, रिसर्च, तकनीक और रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर बात होगी। दोनों देश छात्रों के आदान-प्रदान, नई टेक्नोलॉजी, साइबर सुरक्षा और रक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाना चाहते हैं। इसके अलावा स्वच्छ ईंधन और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भी मिलकर काम करने की योजना पर चर्चा होगी। इन क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों को लंबे समय तक फायदा मिलने की उम्मीद है।

प्रवासी भारतीयों से भी करेंगे खास मुलाकात

ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के एक बड़े कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। ऑस्ट्रेलिया में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं और दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत बनाने में उनकी अहम भूमिका मानी जाती है। पीएम मोदी अपने संबोधन में भारत की तरक्की, दोनों देशों के बढ़ते रिश्तों और भारतीय समुदाय के योगदान पर बात करेंगे। माना जा रहा है कि यह कार्यक्रम भी इस दौरे का एक प्रमुख आकर्षण रहेगा।

इंडोनेशिया की संसद में गूंजा बीजू पटनायक का नाम, आजादी की लड़ाई में योगदान को किया गया याद

(जीएनएस)।

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडोनेशिया की संसद को संबोधित करते हुए ओडिशा के महान जननायक और पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक के साहसिक योगदान को याद किया।

उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया की आजादी के संघर्ष के दौरान बीजू पटनायक ने अपनी जान की परवाह किए बिना वहां के तत्कालीन प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति को सुरक्षित भारत पहुंचाया था। उनके इस ऐतिहासिक कदम ने भारत और इंडोनेशिया के संबंधों को नई मजबूती प्रदान की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र में इंडोनेशिया की स्वतंत्रता का मुद्दा मजबूती से उठाया था और उस दौर में बीजू पटनायक की भूमिका दोनों देशों के रिश्तों में एक महत्वपूर्ण कड़ी बनी। उन्होंने कहा कि बीजू बाबू का साहस और मानवता के प्रति समर्पण आज भी दोनों देशों की मित्रता की मिसाल है।

इंडोनेशिया दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान सैन्य और नागरिक दोनों श्रेणियों में इंडोनेशिया का सबसे बड़ा अलंकरण माना जाता है।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी को मिले अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की संख्या 34 हो गई है।सम्मान ग्रहण करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पुरस्कार केवल उनका नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है।

उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों की स्वीकृति भी है।प्रधानमंत्री के इस उल्लेख के बाद ओडिशा में बीजू पटनायक के समर्थकों और प्रशंसकों के बीच गर्व की भावना देखी गई। राज्य के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी बीजू बाबू के ऐतिहासिक योगदान की चर्चा तेज हो गई है।

प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति प्रबोवो के साथ प्रम्बानन मंदिर गए

जकार्ता, आठ जुलाई (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ योग्याकार्ता में स्थित "भव्य" प्रम्बानन मंदिर परिसर गए।

इस दौरान यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) के विश्व धरोहर स्थल के लिए संयुक्त संरक्षण परियोजना की शुरूआत की गई।

दोनों नेताओं के इस ऐतिहासिक स्थल पर जाने से भारत और इंडोनेशिया के सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। भारत की सहायता से इस मंदिर परिसर के संरक्षण और

'ईरान मेरी हत्या की साजिश रच रहा', ट्रंप का बड़ा दावा, बोले- हर टारगेट लिस्ट में मेरा नाम

(जीएनएस)।

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। तुर्की के अंकारा में आयोजित नाटो (ठअळऽ) शिखर सम्मेलन के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर एक बेहद सनसनीखेज और बड़ा दावा किया है।

ट्रंप ने बुधवार 8 जुलाई 2026 को आरोप लगाया कि तेहरान अमेरिका के शीर्ष राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व को सीधे तौर पर निशाना बनाने की कोशिश कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खुलकर दावा किया कि ईरान उनकी हत्या करने की बड़ी साजिश रच रहा है और उनका नाम ईरान की सभी 'हिट लिस्ट' में सबसे ऊपर शामिल है।

"ईरान के पास मेरे नाम की

लिस्ट है" -ट्रंप

नाटो शिखर सम्मेलन के इतर पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के रवैये पर तीखी प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने कहा, "ईरान के नेता बहुत बुरा व्यवहार कर रहे हैं, जैसा वे पिछले 47 वर्षों से करते आ रहे हैं। मुझे खुफिया रिपोर्टों से पता चला है कि वे न केवल अमेरिका के भीतर अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, बल्कि हमारे शीर्ष नेतृत्व को भी निशाना बनाना चाहते हैं। वे मुझे मारना चाहते हैं और मेरा नाम उनकी हर लिस्ट में दर्ज है।" ट्रंप ने आगे ईरानी नेतृत्व पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्हें मानसिक रूप से बिमार तक कह डाला। उन्होंने कहा कि ईरानी अधिकारी दुनिया के सामने कुछ और कहते हैं और पीठ पीछे कुछ और साजिश रचते हैं। ट्रंप ने साफ चेतावनी दी कि अमेरिका ऐसी किसी भी कायराना हरकत को बर्दाश्त नहीं करेगा। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पिछले महीने (17 जून) को दोनों देशों के बीच हुआ अंतरिम सीजफायर पूरी तरह से टूट चुका है।

मिसाइल से लेकर ड्रोन और गोला-बारूद तक! यूपी के 6 नोड्स में तैयार हो रहे हैं आत्मनिर्भर बनाने वाले महा-हथियार

(जीएनएस)।

लखनऊः प्रदेश में बन रहे डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड को मिसाइल, एयरोस्पेस टेक्नॉलजी के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। लखनऊ नोड में स्थापित होने वाली कंपनियों में मिसाइल, एयरोस्पेस टेक्नॉलजी वाली कंपनियां शामिल होंगी। इसी के तहत ब्रह्मोस एयरोस्पेस अत्याधुनिक इकाइयों का निर्माण कर रही हैं। लखनऊ नोड में मिसाइल और एयरोस्पेस सेक्टर से जुड़ी कंपनियों को स्थापित किया जा रहा है।

लखनऊ नोड में ये कंपनियां लगाएगी प्लांट

एरोलॉय टेक्नॉलजीज एयरोस्पेस ग्रेड टाइटेनियम कास्टिंग और संकल्प सेफ्टी सॉल्यूशंस तकनीकी सुरक्षा उत्पादों का उत्पादन शुरू कर दिया गया है। इसके साथ ही जयके एंटरप्राइजेज द्वारा मिसाइल लॉन्च ट्यूब, मिसाइल कंटेनर और अडवांस्ड कम्पोजिट स्ट्रक्चर की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाएगी। सील मैन्युफैक्चरर्स, कैपिटल एयरगन मैन्युफैक्चरर्स, टैकअप इंजिनियर्स, कावा यूएवी और आईआरडीई-डीआरडीओ इन्फ्रारेड डिटेक्टर टेक्नॉलजी सेंटर स्थापित करेगी। लखनऊ में अडवांस्ड मटीरियल्स डिफेंस टेस्टिंग फाउंडेशन एयरोस्पेस सेक्टर की टेक्नॉलजी और

इकोसिस्टम विकसित किया जाएगा। अब तक इस टेक्नॉलजी का दूसरे देशों से निर्यात किया जाता था।

कानपुर बनेगा गोला-बारूद का केंद्र

लखनऊ से सटे कानपुर को स्मॉल आर्म्स, गोला-बारूद, बैलिस्टिक सुरक्षा प्रणालियों और रक्षा वस्त्रों के निर्माण केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। कानपुर में डेल्टा कॉम्बैट सिस्टम्स, छोटे हथियार और गोला-बारूद निर्माण इकाई लगाएगी।

IIT कानपुर भी करेगा सहयोग

कानपुर को डिफेंस सेक्टर का प्रमुख केंद्र विकसित करने के लिए आईआईटी कानपुर में अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स टेस्टिंग फाउंडेशन और कम्युनिकेशन डिफेंस टेस्टिंग फाउंडेशन स्थापित किया जाएगा। इनके संचालन से मानव रहित विमान, टेलीकॉम सिस्टम के परीक्षण की सुविधा मिलेगी।

इलेक्ट्रॉनिक तकनीक का केंद्र बनेगा अलीगढ़

कानपुर की तरह ही अलीगढ़ ड्रोन, काउंटर-ड्रोन सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर तकनीकों, सेंसर और प्रिसिजन इंजिनियरिंग के प्रमुख क्लस्टर के रूप में विकसित किया जाएगा। अलीगढ़ नोड में एंकर रिसर्च लैब्स, एलन एंड एलवन, न्यू स्पेस रिसर्च एंड टेक्नॉलजीज, एमिटेक इलेक्ट्रॉनिक्स, सिडैक टेक्नॉलजीज और आईकॉन्स हिन्दुस्तान एयरोस्पेस एंड डिफेंस सिस्टम्स जैसी कंपनियां यूएवी, एंटी-ड्रोन तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और हेवी-लिफ्ट ड्रोन प्लैटफॉर्म विकसित करेंगी।

ढँ२३ंल्ल ठी६२ः नहीं होगी कोई शांति वार्ता..., ळळढ बनाएगा मिसाइल, पाकिस्तान को क्या धमकी दी ?

झांसी में हैवी डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का बनेगा क्लस्टर

झांसी रक्षा कॉरिडोर के सबसे बड़े विस्फोटक, गोला-बारूद एवं भारी रक्षा विनिर्माण क्लस्टर के रूप में विकसित हो रहा है। झांसी में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड की मिसाइल प्रोपल्शन सिस्टम्स निर्माण इकाई स्थापित है। झांसी नोड में गुडलक एस्ट्रा इंडिया विस्फोटक निर्माण और आर्टिलरी शेल फिलिंग इकाई, माइक्रॉन इस्ट्रूमेंट्स एक्सप्लोसिव फिलिंग एवं एम्युनिशन इंटीग्रेशन प्लांट, नेक्स्टस्ट्रेट टेकविजन मोर्टार, गोला-बारूद मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाएगी। इस नोड में डब्ल्यूबी इलेक्ट्रॉनिक्स, लोरेनको डिफेंस, ग्लोबल टेक्नॉक्रेट्स, विजयन त्रिशूल डिफेंस सॉल्यूशंस और गुरुत्वा सिस्टम्स यूएवी आदि के क्षेत्र में निवेश कर रही है।

'10 लाख का हेल्थ इंश्योरेंस दे सरकार', आप की मांग

(जीएनएस)।

आम आदमी पार्टी (AAP) की गोवा इकाई ने बुधवार को बड़ी मांग करते हुए कहा कि नागरिकों के फायदे के लिए राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजना के तहत इंश्योरेंस कवर को 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया जाए। पार्टी ने यह भी कहा कि योजना के तहत और मेडिकल प्रक्रियाओं को शामिल किया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि दीन दयाल स्वास्थ्य सेवा योजना (DDSSY) गोवा सरकार की एक प्रमुख राज्य-प्रायोजित स्वास्थ्य बीमा योजना है, जो उन निवासियों को यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज देती है जो कम से कम पांच साल से राज्य में रह रहे हैं। यह योजना एम्पैनल्ड अस्पतालों के एक बड़े नेटवर्क में कैशलेस इलाज की गारंटी देती है।

यहां जारी एक बयान में, अअढ के गोवा प्रमुख वाल्मीकि नाइक ने कहा कि 'स्वास्थ्य सेवा हर गोवावासी का अधिकार है। राज्य सरकार को हर गोवावासी परिवार के लिए अच्छी क्वालिटी की स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए इंश्योरेंस कवरेज की राशि 10 लाख रुपये तक बढ़ानी चाहिए।'

नाइक ने गोवा की उत्तर की तुलना पंजाब में AAP सरकार द्वारा लागू स्वास्थ्य बीमा योजना से की और दावा किया कि उत्तर में केवल 447 मेडिकल प्रक्रियाएं शामिल हैं, जबकि अअढ मॉडल लगभग 2,350 प्रक्रियाओं के लिए कवरेज देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर के तहत सीमित कवरेज के कारण मरीजों को अपने खर्च पर प्राइवेट अस्पतालों में इलाज कराना पड़ता है।

उन्होंने कहा, "कई प्राइवेट अस्पताल DDSSY लाभार्थियों को भर्ती करने में हिचकिचाते हैं क्योंकि रीइम्बर्समेंट में देरी होती है और पेमेंट इलाज की असल लागत से कम होता है, जिससे मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है।"

AAP नेता ने आगे दावा किया कि एक्टिव DDSSY कार्ड की संख्या लगभग 2.95 लाख से घटकर लगभग 1.81 लाख हो गई है, जिससे पता चलता है कि कम लोग इस योजना को फायदेमंद मान रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 90 प्रतिशत गोवावासी सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं पर निर्भर हैं, लेकिन कई सरकारी अस्पतालों में इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पेशलिस्ट डॉक्टरों और जरूरी मेडिकल उपकरणों की कमी बनी हुई है।उन्होंने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सेवा डिलीवरी को बेहतर बनाने के लिए प्राइमरी हेल्थ सेंटर, सब-डिस्ट्रिक्ट अस्पतालों और डिस्ट्रिक्ट अस्पतालों को तुरंत अपग्रेड करने की जरूरत है। उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए समय मांगने के लिए मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत को पत्र भी लिखा।

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर सीएम योगी और रेखा गुप्ता समेत कई बड़े नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर देशभर के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता समेत और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल समेत कई नेताओं ने उनके सादगीपूर्ण जीवन, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण और राष्ट्रहित में दिए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर देशभर के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता समेत और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल समेत कई नेताओं ने उनके सादगीपूर्ण जीवन, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण और राष्ट्रहित में दिए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

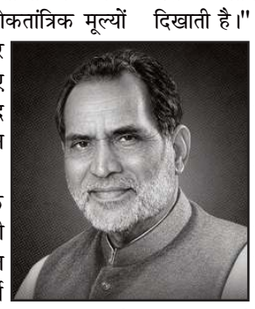

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "जननायक, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। सड़क से लेकर सदन तक वे उपेक्षितों, पीड़ितों और वंचितों की आवाज बने रहे। उनकी सादगी, वैचारिक दृढ़ता और समाज के अंतिम व्यक्ति के प्रति संवेदनशीलता देश के लोकतंत्र को आज भी राह दिखाती है।"

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को श्रद्धांजलि देते हुए पोस्ट किया, "सादगी, साहस और सिद्धांतनिष्ठ राजनीति के लिए उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राष्ट्रहित के प्रति उनका समर्पण भावी पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।"

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। भजनलाल शर्मा ने लिखा, "उनका सादगीपूर्ण जीवन, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण और राष्ट्रहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।"

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लिखा, "पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।"

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने पोस्ट किया, "लोकप्रिय जननेता और ओजस्वी वक्ता व भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। लोकतांत्रिक मूल्यों, शोषितों एवं वंचितों के समग्र उत्थान के लिए आपके प्रखर विचार व कृतित्व सदैव स्मरणीय रहेंगे।"

गरवी गुजरात
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2002

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
गरवी गुजरात हिंदी चेनल देखिये

सम्पादकीय

इरानी सुप्रीम खामनेई की अंत्येष्टि पर ट्रंप ने कहा नकली आंसू बहा रहे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें यह देखकर हैरानी हुई कि ईरान में इतनी बड़ी संख्या में लोग अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में रो रहे थे। एक्सियोस को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगा था कि ईरान की जनता खामेनेई से नफरत करती है। इस पर उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि शायद यह आंसू नकली हों। जनाजे में ईरान के शीर्ष नेतृत्व के मौजूद होने के सवाल पर ट्रंप ने दावा किया है कि यदि अमेरिका चाहे तो एक ही हमले में ईरान के मौजूदा नेतृत्व को खत्म कर सकता है। उन्होंने कहा कि वे सभी वहां मौजूद हैं। एक ही हमले में हम सभी खत्म कर सकते हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि फिर हमारे पास बातचीत करने के लिए कोई नहीं बचेगा। ईरान ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अमेरिका खामेनेई की मौत के बाद छाए गहरे शोक को समझ नहीं पाएगा, क्योंकि न तो उसकी कोई सयता है, न ही इतिहास और न ही सम्मान। उधर, ट्रंप के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए आम्ब्रेनिया स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर कहा, लोगों को मारा जा सकता है पर आदर्शों को नहीं। आपने अयातुल्ला अली खामेनेई को मार डाला पर असल में आपने इत्र की एक ऐसी शीशी तोड़ दी जिसकी खुशबू हर जगह पैल गई। बता दें कि ईरान में 36 साल तक सत्ता में रहे खामेनेई की 28 फरवरी को अमेरिकी-इजराइली हमले मौत हो गई थी।

97 वर्ष के शिया धर्मगुरु अयातुल्ला जाफर सोमानी ने तेहरान की ग्रैंड मोसाला में अयातुल्ला अली खामेनेई, व उनके परिवार के दिवंगत सदस्यों के लिए प्रार्थना कराई। यहां अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मसूद, मेयसाम व मुस्तफा भी मौजूद थे। इन्हें युद्ध शुरू होने के बाद से नहीं देखा गया था। मौजूदा सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई नहीं देखे गए। रिव्यूशनरी गार्ड के प्रमुख जनरल अहमद वाहिदी भी युद्ध के बाद पहली बार दिखे।

राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान, संसद के स्पीकर मो. बाघेर गालिबाफ व ब्रुदस बलों का नेतृत्व करने वाले इस्माइल थानी भी मौजूद थे। ग्रैंड मोसाला में लगे पोस्टरों व दीवारों पर लिखे संदेशों में ट्रंप व इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को मारने की मांग की गई। कवि रासोली ने प्रार्थना से पूर्व कार्यक्रम का संचालन किया और अमेरिका-इजरायली मुदार्बाद के नारे लगवाए। उधर, ईरान के सीनियर सैन्य अधिकारी अली शादमानी ने अमेरिका और इजरायल को चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई का उसकी सशस्त्र सेनाएं कड़ा जवाब देंगी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास आराघची ने भी दोहराया कि देश की जनता या नेतृत्व किसी भी खतरे का तत्काल और मजबूत जवाब दिया जाएगा। यह बयान इजरायल के रक्षामंत्री की ईरानी सुप्रीम लीडर को मारने की धमकी से जुड़ी टिप्पणी के बाद आया। बता दें कि शहीद अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा में उनके अंतिम दीदार करने करोड़ों लोग सड़कों पर उतरे। ऐसी अंतिम यात्रा दुनिया में पहले कही भी नहीं देखी गई। अंतिम संस्कार में भारत समेत 70 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। विदेश मंत्री अब्बास आराघची ने कहा कि 70 से अधिक देशों के प्रतिनिधि सर्वोच्च नेता ग्रैट अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इनमें हमारे वफादार अरब भाई भी शामिल हैं।

पिछले 12 साल में पीएम मोदी के ये काम अन्य प्रधानमंत्रियों से अलग बनाता है, कई देश बने इसके सबूत

मोदी सरकार ने विदेशों में कई अहम समझौते किए लेकिन इसके साथ वह काम भी किया जिसमें भारत के लोगों की भावना जुटी है। जी हां प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया के कई देशों में भारतीय विरासत और हिंदुओं के मंदिरों के संरक्षण के लिए समझौता किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालते ही 2014 में वियतनाम में एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा दूसरे प्रधानमंत्रियों से अलग हटकर अपने कामों को दिखाते हैं। वह कोशिश करते हैं कि जिस काम को दूसरे प्रधानमंत्रियों ने किसी मजबूरी में छोड़ दिया, वह उस काम को पूरा कर दें। जी हां 12 साल में पीएम मोदी का यह प्रयास उनकी कूटनीति की ताकत को दशार्ता है।

दरअसल, पिछले 12 वर्षों में, मोदी सरकार ने कई देशों में प्राचीन मंदिरों, पुरातात्विक स्थलों और सांस्कृतिक धरोहरों के जीर्णोद्धार और संरक्षण का समर्थन किया है। सरकार ने विरासत को भारत की 'सॉफ्ट पावर' और क्षेत्रीय कूटनीति के एक अहम स्तंभ के तौर पर इस्तेमाल किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज इंडोनेशिया में यूनेस्को की सूची में शामिल प्रम्बानन मंदिर का दौरा किया। यह दौरा एक व्यापक कूटनीतिक दृष्टिकोण को दशार्ता है, जिसके तहत एशिया के साथ अपने संबंधों में भारत ने अपनी साझा सांस्कृतिक विरासत को केंद्र में रखा है।

बता दें कि यह पहली बार नहीं है कि जब पीएम मोदी ने दूसरे देशों में ऐतिहासिक मंदिरों केपुनर्निर्माण के लिए प्रयास किया है बल्कि वह इसके इतिहास को लोगों तक भी पहुंचाते हैं। वह कोशिश करते हैं कि पूरी दुनिया में भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत पहुंचे।

दक्षिण-पूर्व एशिया से लेकर खाड़ी देशों तक, भारत ने उन स्मारकों के संरक्षण में सहयोग किया है जो सदियों पुराने सांस्कृतिक, धार्मिक और सभ्यतागत संबंधों को दशार्ते हैं। इनमें से कई परियोजनाएं अनुदान सहायता, पुरातत्व के क्षेत्र में सहयोग और द्विपक्षीय समझौतों के माध्यम से पूरी की गई हैं, जिनसे साझे धरोहर की सुरक्षा के साथ-साथ सहयोगी देशों के साथ संबंध भी मजबूत हुए हैं।

मोदी सरकार ने इन देशों में पुराने हिंदू मंदिरों को संरक्षित किया

मोदी सरकार ने बांग्लादेश के साथ सांस्कृतिक सहयोग भी बढ़ाया और ढाका में ऐतिहासिक रमना काली मंदिर को फिर से बनाने में मदद की, जिसे 1971 में पाकिस्तान के 'ऑपरेशन सर्चलाइट' के दौरान नष्ट कर दिया गया था।

2021 में इस मंदिर का उद्घाटन किया गया, जिससे बांग्लादेश के सबसे महत्वपूर्ण हिंदू तीर्थस्थलों में से एक का जीर्णोद्धार पूरा हुआ।

भारत ने अनुदान सहायता के जरिए नटोर में लगभग 300 साल पुराने जॉय काली माता मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए भी आर्थिक मदद दी।

आनंदमयी काली माता मंदिर और रामकृष्ण मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए भी सहयोग दिया गया, जिससे बांग्लादेश में हिंदू आस्था के महत्वपूर्ण केंद्रों को संरक्षित करने में मदद मिली।

श्रीलंका में थिरुकेथीश्वरम मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए समझौते पर हस्ताक्षर

श्रीलंका में, भारत ने 2015 में ऐतिहासिक थिरुकेथीश्वरम मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित द्वीप देश के पांच

प्राचीन 'पंच ईश्वरम' मंदिरों में से एक है और यह परियोजना 326 मिलियन श्रीलंकाई रुपये (छडफ) की अनुदान सहायता से पूरी की गई।

बहरीन में 200 साल पुराने मंदिर के पुनर्निर्माण का उद्घाटन किया

2019 में बहरीन की अपनी अहम यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने मनामा में 200 साल पुराने श्रीनाथजी मंदिर के पुनर्निर्माण का उद्घाटन किया। 42 लाख अमेरिकी डॉलर (वर$4.2 मिलियन) के इस प्रोजेक्ट ने खाड़ी क्षेत्र के सबसे पुराने हिंदू मंदिरों में से एक को संरक्षित किया और दक्षिण एशिया से परे भारत के बढ़ते सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाया। इंडोनेशिया में प्रम्बानन मंदिर की प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा अब इस व्यापक सांस्कृतिक और सभ्यतागत जुड़ाव में एक और अध्याय जोड़ती है।

वियतनाम में 2014 में समझौता हुआ था

शुरूआती पहलों में से एक वियतनाम में हुई, जहां भारत ने 2014 में यूनेस्को की सूची में शामिल 'माई सोन सैंक्चुअरी' के जीर्णोद्धार के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। प्राचीन चम्पा साम्राज्य का आध्यात्मिक केंद्र रहा यह शैव मंदिर परिसर दक्षिण-पूर्व एशिया के सबसे महत्वपूर्ण हिंदू विरासत स्थलों में से एक माना जाता है। इस द्विपक्षीय समझौते के तहत संरक्षण कार्य का नेतृत्व भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने किया।

म्यांमार में 2017 में टडव पर हस्ताक्षर

म्यांमार में, भारत ने 2017 में वठएरउड की सूची में शामिल बागान आर्कियोलॉजिकल जोन में 2016 के भूकंप से क्षतिग्रस्त स्मारकों के जीर्णोद्धार के लिए एक टङ्गव पर हस्ताक्षर किए। इस जीर्णोद्धार कार्य में 12 ऐतिहासिक पगोडा और प्रसिद्ध आनंद मंदिर शामिल थे, जो म्यांमार के सबसे सम्मानित बौद्ध स्मारकों में से एक है।

क्या पुरानी गाड़ियों में ई-20 का इस्तेमाल सुरक्षित? केजरीवाल ने 29 ऑटो निमार्ता कंपनियों को लिखी चिट्ठी

(जीएनएस)।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश की 29 ऑटो निमार्ता कंपनियों को चिट्ठी लिखकर एक सप्ताह में स्पष्ट करने की मांग की है कि क्या पुरानी गाड़ियों में ई-20 (20 फीसदी एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल) के इस्तेमाल सुरक्षित है? उन्होंने सरकारी प्रेस कांफ्रेंस में पुरानी गाड़ियों में ई-20 का इस्तेमाल सुरक्षित होने का दावा करने वाली टोयोटा, हीरो और मारूति को अलग चिट्ठी लिखी है।

इसमें उन्होंने पूछा है कि आपका ओनर मैनुअल तो पुरानी गाड़ियों में किसी भी हाल में 10 फीसदी एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल की अनुमति नहीं देता है। ऐसे में तीनों कंपनियां देश को लिखित में बताएं कि क्या पुरानी गाड़ियों में ई-20 सुरक्षित है और क्या माइलेज 4-5 फीसदी ही कम होती है। साथ ही, क्या गाड़ी की माइलेज 5-10 फीसदी से ज्यादा कम हुई या कोई कंपोनेंट खराब हुआ तो तीनों कंपनियां उपभोक्ता को हजार्ना देंगी? स्टैंड क्लियर करें कि क्या उनकी पुरानी गाड़ियों में ई-20 का इस्तेमाल किया जा सकता है? बुधवार को मैं 29 ऑटो मैन्युफैक्चरर कंपनियों को चिट्ठी लिख रहा हूं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 29 में से तीन कंपनियों को अलग चिट्ठी लिखी है और बाकी 26 को कंपनियों को अलग लिखी है। ये तीन कंपनियां मारुति, टोयोटा किर्लोस्कर और हीरो हैं, जिन्होंने 4 जुलाई को सरकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अगर पुरानी गाड़ियों में ई-20 इस्तेमाल किया जाए, तो सुरक्षित है। सिर्फ गाड़ी की थोड़ी सी माइलेज गिरती है, तीन-चार या 5 फीसदी, लेकिन गाड़ी को कोई नुकसान नहीं होता। इसलिए इन कंपनियों को अलग से चिट्ठी लिखी गई है।

अरविंद केजरीवाल बताया कि टोयोटा, मारुति और हीरो को लिखी चिट्ठी में कहा है कि आपने 4 जुलाई को सरकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि पुरानी गाड़ियों में ई-20 का इस्तेमाल किया जा सकता है, 4-5 फीसदी माइलेज कम होती है, लेकिन गाड़ी को नुकसान नहीं होता। लेकिन आपको ओनर मैनुअल कहता है कि किसी भी हालत में 2023 से पहले बनी पुरानी गाड़ियों में 10 फीसदी से ज्यादा एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। इन दोनों स्थितियों में विरोधाभास है। इन कंपनियों की ओर से जारी ओनर मैनुअल, जो कंज्यूमर और कंपनी बीच एक एग्रीमेंट होता है, वह कुछ और कहता है और कंपनियों के प्रतिनिधि सरकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में जाकर कुछ और कहते हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह कोई मामूली भूल या विसंगति नहीं है। इन कंपनियों की वास्तविक स्थिति क्या है, वे इसे लिखित में देश के सामने सार्वजनिक करें। चिट्ठी मिलने के एक हफ्ते के अंदर ये कंपनियां स्पष्ट जवाब दें कि क्या पुरानी गाड़ियों में ई-20 पेट्रोल इस्तेमाल किया जा सकता है? क्या उसकी वजह से केवल 4-5 फीसदी ही माइलेज कम होती है और क्या उसकी वजह से गाड़ी को कोई नुकसान नहीं होता? अगर ऐसा है तो उनसे दो प्रश्न पूछे गए हैं कि अगर किसी का 5 से 10 फीसदी से ज्यादा माइलेज कम हुआ, तो क्या वे उस कंज्यूमर को मुआवजा देंगे? अगर ई-20 इस्तेमाल करने से किसी कंपोनेंट को नुकसान हुआ, तो क्या उस उपभोक्ता को कंपोनेंट का हजार्ना दिया जाएगा?

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 26 अन्य कंपनियों को एक सामान्य चिट्ठी लिखी है। इसमें लिखा है कि उनके प्रोडक्ट को कई लोग इस्तेमाल करते हैं। तो वे अपना स्टैंड क्लियर करें। क्योंकि इस समय ई-20 को लेकर काफी विवाद चल रहा है। वे अपना स्टैंड क्लियर करें कि क्या उनकी 2023 से पहले की पुरानी गाड़ियों में ई-20 का इस्तेमाल किया जा सकता है? क्या उसकी वजह से माइलेज कम होगी? कम होगी तो कितनी होगी और क्या उसकी वजह से कोई नुकसान होगा?

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर ये कंपनियां कहती हैं कि ई-20 सुरक्षित है, तो क्या माइलेज में कमी के नुकसान की वे भरपाई करेंगी और क्या कंपोनेंट के नुकसान की वे भरपाई करेंगी? मैं उम्मीद करता हूं कि सारी कंपनियां इसका जवाब देंगी क्योंकि यह सभी कंज्यूमर के लिए बहुत गंभीर मामला है। मुझे उम्मीद है कि एक हफ्ते के अंदर सभी कंपनियां इसका जवाब दें, क्योंकि सबके ओनर मैनुअल कुछ कहते हैं और सार्वजनिक रूप से कुछ कंपनियों ने कुछ और कहा है।

अरविंद केजरीवाल ने बताया कि गुरुवार को मैं कुछ पेट्रोल पंप, सर्विस सेंटर और कुछ मिस्त्रियों के यहां जाऊंगा। मैं लोगों से बात करूंगा कि वे क्या कहते हैं। सरकार तो जिद पर अड़ी हुई है कि वह ई-20 सबके ऊपर थोपेगी। सरकार कहती है कि यह सुरक्षित है, इससे कुछ नहीं होता, थोड़ी बहुत माइलेज कम होती है और इसकी वजह से कोई नुकसान नहीं हो रहा। लेकिन जनता क्या कह रही है, जनता का क्या अनुभव है?

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बीच में ये लोग जनता को एंटी-नेशनल कहना शुरू कर देते हैं, कोई लॉबिंग कहना चालू कर देते हैं। अब तो ये देख रहे हैं कि इनके ही अपने बड़े-बड़े ब्लॉगर और बड़े-बड़े इन्फ्लुएंसर सोशल मीडिया पर इन्हें गालियां दे रहे हैं। इस तरह 140 करोड़ जनता को एंटी-नेशनल और आतंकवादी बोलना सही नहीं है। जब जनता अक्रॉस पार्टी लाइन दुखी है, तो एक जिम्मेदार सरकार की जिम्मेदारी है कि वह जनता की आवाज को सुने। इनका यह फैसला विज्ञान, तर्क और इंजीनियरिंग के खिलाफ है। जाहिर तौर पर यह पब्लिक इंटरेस्ट में तो नहीं है। यह किसके इंटरेस्ट में है, यह अभी हम लोगों को समझ नहीं आ रहा है।

हूबहू विराट कोहली! टैटू, स्वैग और कार... लखनऊ में क्रिकेटर के हमशक्ल ने किया ऐसा प्रैंक, चकमा खा गई पब्लिक

(जीएनएस)।

लखनऊ के लूलू मॉल में घूम रहे लोग तब शॉक रह गए, जब उनके बीच विराट कोहली आ गए। हालांकि ऐसा वो सोच रहे थे। असल में तो वो उनके हमशक्ल कार्तिक शर्मा थे। कार्तिक ने इस प्रैंक का वीडियो शेयर किया है। आपको भीड़ नहीं विराट कोहली का फैनडम दिखेगा।

विराट कोहली का हमशक्ल

विराट कोहली क्वे चाहने वाले पूरी दुनिया में होंगे लेकिन भारत के लोगों के वो खासे करीब हैं। वो इंडिया के अपने स्टार हैं जिनको लोग क्रिकेट के आगे पर्सनलिटी के तौर पर भी पसंद करते हैं। यही वजह रही कि जब विराट कोहली के हमशक्ल उनके जैसा रूप धर कर आए तो लोग एक नजर देखते ही उनके पीछे भागने लगे। ये प्रैंक था, जिसे विराट के जैसे दिखने वाले कार्तिक शर्मा ने किया था। वो इसमें सफल भी रहे।

शुरूआत बीएमडब्लू और बॉडी गार्ड से

कार्तिक ने सबसे पहले विराट वाला ऑरा बनाने के लिए बीएमडबल्यू को चुना था। वो इस गाड़ी में ही लखनऊ के लूलू मॉल आए थे। फिर साथ में चार बॉडी गार्ड भी थे। इन दो चीजों को देखकर लोग एक बारगी नजर उठा ही लेते हैं। नजर उठाते ही लोगों को विराट कोहली नजर आने लगे थे।

टैटू, कपड़े और पूरा लुक

कार्तिक आरसीबी की ड्रेस में मॉल के अंदर जाते हैं। उनकी दाढ़ी भी विराट जैसी है। इसके ऊपर उन्होंने टोपी भी विराट वाले अंदाज में लगा रखी थी। हाथों के टैटू भी बनाए गए थे। ये विराट का बिल्कुल सिग्नेचर लुक था।

प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत की तैयारी कर रहा न्यूजीलैंड, प्रवासी भारतीयों को उम्मीद 'और मजबूत होंगे द्विपक्षीय रिश्ते'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा से पहले वहां रह रहा भारतीय समुदाय काफी उत्साहित है। बुधवार को ऐसे ही कुछ प्रवासी भारतीयों ने आईएएनएस से बात की। उन्होंने कहा कि वे वर्षों से इस पल का इंतजार कर रहे थे। उनका मानना है कि यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर साबित होगी।

(जीएनएस)।

ऑकलैंड, 8 जुलाई (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा से पहले वहां रह रहा भारतीय समुदाय काफी उत्साहित है। बुधवार को ऐसे ही कुछ प्रवासी भारतीयों ने आईएएनएस से बात की। उन्होंने कहा कि वे वर्षों से इस पल का इंतजार कर रहे थे। उनका मानना है कि यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर साबित होगी।

उन्होंने उम्मीद जताई कि इस यात्रा से भारत और न्यूजीलैंड दोनों को सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 10 से 11 जुलाई तक न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के निमंत्रण पर दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे।

यह पिछले 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली न्यूजीलैंड यात्रा होगी। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी और उनके समकक्ष प्रधानमंत्री लक्सन द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, वाणिज्य और रक्षा सहित पिछले दो वर्षों में हुई प्रगति पर विशेष रूप से चर्चा होने की संभावना है।

आईएएनएस से बातचीत में भारतीय समुदाय के कई सदस्यों ने इस ऐतिहासिक यात्रा को लेकर अपनी खुशी जाहिर की।

एक सदस्य ने कहा कि यह दोनों देशों के लिए अच्छी बात है। 40 साल बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री न्यूजीलैंड आ रहे हैं, इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण अवसर है। इससे खासकर व्यापार के क्षेत्र में भारत और न्यूजीलैंड के संबंध और मजबूत होंगे।

सालों से ऑकलैंड में रह रही एक युवती ने कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी से मिलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उनके अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ऐसे पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं जो युवाओं और बुजुर्गों, दोनों के बीच समान रूप से लोकप्रिय हैं।

उन्होंने कहा, "काफी समय बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री न्यूजीलैंड आ रहा है, इसलिए यह पल बेहद खास है। भारत और न्यूजीलैंड के संबंध पहले से ही मजबूत हैं। हम यहां छात्र हैं और हमें उम्मीद है कि इस यात्रा से हमारे लिए भी कुछ सकारात्मक होगा। प्रधानमंत्री मोदी की विश्वभर में अच्छी छवि है और मुझे विश्वास है कि उनकी यात्रा सकारात्मक परिणाम लेकर आएगी।"

भारतीय समुदाय के एक युवक ने कहा कि वह इसलिए भी उत्साहित हैं क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी उनके गांव से हैं और वह उनसे मिलने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के कारण दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे।

एक अन्य सदस्य ने इस यात्रा को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले से ही मजबूत संबंध हैं, खासकर इसलिए क्योंकि यहां बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय रहता है। यह यात्रा दोनों देशों के लिए लाभदायक होगी और कई नए अवसर पैदा करेगी।

एक अन्य सदस्य ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने का बेहतरीन अवसर है और उन्हें उम्मीद है कि यह यात्रा सकारात्मक परिणाम लेकर आएगी।

एक अन्य प्रवासी भारतीय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का न्यूजीलैंड आना बेहद खुशी की बात है। उन्हें उम्मीद है कि इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप मिल जाएगा।

मुक्त व्यापार समझौते का उल्लेख करते हुए भारतीय मूल की महिला ने कहा कि इससे भारत और न्यूजीलैंड के बीच कई लंबित मुद्दों का समाधान होगा। यह बेहद सकारात्मक कदम है और इससे दोनों देशों, विशेष रूप से न्यूजीलैंड, को लाभ मिलेगा।

एक अन्य सदस्य ने कहा कि 40 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली न्यूजीलैंड यात्रा है। यहां पूरा भारतीय समुदाय उत्साहित है और प्रधानमंत्री मोदी के आगमन का बेसब्री से इंतजार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि जहां-जहां मुक्त व्यापार समझौते हुए हैं, वहां दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को लाभ मिला है। यह समझौता केवल भारत ही नहीं, बल्कि न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्था को भी महत्वपूर्ण बढ़ावा देगा।

भारतीय समुदाय के एक अन्य सदस्य ने कहा कि यह अवसर केवल न्यूजीलैंड ही नहीं, बल्कि पूरे प्रशांत क्षेत्र के लिए भी महत्वपूर्ण है। इससे लोग प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और भारत तथा उसके नागरिकों के हित में किए जा रहे उनके प्रयासों को करीब से देख सकेंगे।

'सपाट पिचें और छोटी बाउंड्री,' जोफ्रा आर्चर ने कसा टीम इंडिया पर तंज, आईपलएल पर भी साधा निशाना

(जीएनएस)।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप के ताश के पत्तों की तरह बिखरने के बाद क्रिकेट जगत में घमासान मच गया है। ट्रेंट ब्रिज के मैदान पर टीम इंडिया के केवल 76 रनों पर ऑलआउट होने के बाद विपक्षी टीम के स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने भारतीय क्रिकेट सिस्टम पर एक बेहद तीखा और विवादित तंज कसा है।

मुकाबले में 3 विकेट लेकर अपनी घातक गेंदबाजी से तबाही मचाने वाले आर्चर ने मैच खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय बल्लेबाजों की तकनीक को आड़े हाथों लिया। उन्होंने खुद के बारे में कहा कि मैं आईपीएल से वापस आ गया हूं, वहां सपाट पिचें और छोटी बाउंड्री में आपको पूरा ध्यान देखना पड़ता है।

आर्चर ने कहा कि आईपीएल में 200 का स्कोर भी सेफ नहीं रहता है

लेकिन इंग्लैंड में ऐसा नहीं होता। यहां आपको मैच जीतने के लिए किसी न किसी प्लेयर से असाधारण पारी की उम्मीद रखनी होती है।

हाईवे जैसी पिचों पर रन बनाने वाले असली कंडीशन में पूरी तरह हुए बेनकाब

आर्चर के बयान के सही मायने निकाले जाएं, तो बात सही भी है क्योंकि भारत में आईपीएल के दौरान बाउंड्री 60 मीटर तक होती है और गेंद में कोई स्विंग नहीं होती है। ऐसे में बल्लेबाज को रन बनाते हुए देखा जाता है लेकिन गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं होता।

भारतीय टीम के खिलाड़ी हाल ही में आईपीएल खेलकर आए हैं और आयरलैंड में दो मैचों की सीरीज हार गए। वहां पिच और बाउंड्री बिलकुल अलग थे, अब इंग्लैंड में भी दो मैचों में लगातार हार का सामना करना पड़ा है।

संजू सैमसन को बाहर करने के फैसले पर भी फैंस का फूटा गुस्सा

जोफ्रा आर्चर का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब भारतीय फैंस पहले से ही कोच गौतम गंभीर के चयन फैसलों और टीम की शर्मनाक हार से बुरी तरह आगबबूला हैं। टी20 वर्ल्ड कप के हीरो संजू सैमसन को लगातार ड्रॉप करके 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को खिलाने की रणनीति पूरी तरह से बैकफायर कर चुकी है।

वैभव सूर्यवंशी इस मैच में भी दो छक्के जड़कर पवेलियन लौट गए, मैच के बाद मैदान के बाहर फैंस ने गंभीर के सामने वी वांट संजू के जबरदस्त नारे लगाए। आर्चर के इस कड़े मानसिक प्रहार ने जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

सपा के राष्ट्रीय सचिव के मकान पर नोटिस चस्पा, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का लगाया था होर्डिंग

सीतापुर शहर के शिवपुरी कॉलोनी में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक अनूप गुप्ता के घर सहित करीब 27 मकानों पर जिलाधिकारी न्यायालय की ओर से नोटिस चस्पा कर जवाब मांगा गया है।

(जीएनएस)।

सीतापुर शहर के शिवपुरी कॉलोनी स्थित समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक अनूप गुप्ता के मकान सहित आसपास के करीब 27 भवनों पर बुधवार दोपहर तहसील प्रशासन ने जिलाधिकारी न्यायालय से जारी नोटिस चस्पा कर दिया है। प्रशासन के अनुसार संबंधित भूमि के स्वामित्व को लेकर न्यायालय में मामला विचाराधीन है, इसलिए कब्जाधारकों को अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया है।

नोटिस में लिखा है कि संबंधित लगभग 25 बीघा भूमि राजस्व अभिलेखों में ग्राम छावनी गोरा बारीक के नाम दर्ज है। इसी भूमि पर वर्तमान में करीब 27 मकान बने हुए हैं। जिलाधिकारी न्यायालय के आदेश पर तहसील प्रशासन ने सभी प्रभावित भवनों पर नोटिस चस्पा कर दिया है। नोटिस के अनुसार सभी भवन स्वामियों को 24 जुलाई तक जिलाधिकारी न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष और संबंधित अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे।

एसडीएम सदर डॉ. जनार्दन ने बताया कि जिलाधिकारी न्यायालय के आदेश के बाद नियमानुसार प्रभावित क्षेत्र में नोटिस चस्पा किया है। सभी कब्जाधारकों को निर्धारित तिथि तक अपना पक्ष न्यायालय में प्रस्तुत करना होगा, जिसके बाद मामले में अग्रिम कार्रवाई न्यायालय के निर्देशानुसार की जाएगी।

यह नोटिस गलत, दूंगा जवाब: अनूप गुप्ता

सपा के राष्ट्रीय सचिव अनूप गुप्ता ने नोटिस को गलत बताया है। कहा कि वह समय से पहले ही जिलाधिकारी न्यायालय में अपना जवाब दाखिल करेंगे। उन्होंने वर्ष 2004 में संबंधित भूमि की विधिवत रजिस्ट्री कराई थी। इसके बाद भूमि का दाखिल-खारिज भी हुआ और करीब तीन वर्ष पहले सक्षम प्राधिकारी से भवन का नक्शा स्वीकृत होने के बाद ही निर्माण कराया गया था। उनके पास सभी वैध दस्तावेज उपलब्ध हैं और वे न्यायालय में उन्हें प्रस्तुत करेंगे।

अनुपम खेर ने अयोध्या के राम मंदिर में जाकर लिया रामलला का आशीर्वाद, शुरू की नई फिल्म 'श्री रामभूमि' की शूटिंग

अनुपम खेर ने अयोध्या के राम मंदिर में जाकर रामलला का आशीर्वाद लिया। इसी के साथ अनुपम ने जानकारी दी कि उन्होंने आज से अपनी नई फिल्म 'श्री रामभूमि' की शूटिंग शुरू कर दी है।

(जीएनएस)।

अयोध्या, अनुपम खेर ने आज से अपनी आगामी फिल्म 'श्री रामभूमि' की अयोध्या में शूटिंग शुरू कर दी है। लेकिन फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले अनुपम ने रामलला का आशीर्वाद लिया और साथ ही कुछ खास तस्वीरें भी साझा की हैं।

अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक नई पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट में अनुपम ने अयोध्या के प्रसिद्ध राम मंदिर से अपनी कई तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं। इन तस्वीरों में अनुपम बेहद खुश नजर आ रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने श्री राम मंदिर में रामलला के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया।

अनुपम खेर ने शुरू की 'श्री रामभूमि' की शूटिंग

अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि उनकी नई फिल्म 'श्री रामभूमि' की शूटिंग आज से अयोध्या में शुरू हो गई है। आज शूटिंग का इसका पहला दिन है। इस पोस्ट के साथ अनुपम ने बताया कि उन्होंने यह आशीर्वाद अपने लिए, अपने परिवार और दोस्तों के लिए, अपनी फिल्म के लिए और अपने सभी चाहने वालों के लिए मांगा।

अनुपम ने यह भी लिखा कि वहां जाकर उन्हें बहुत अच्छा लगा और बहुत सुखद अनुभव हुआ। उन्होंने देश-विदेश से आए हजारों राम भक्तों के साथ मिलकर 'जय श्री राम' के नारे भी लगाए।

अयोध्याः राम मंदिर पहुंचे अनुपम खेर, बोले- घर में चोरी हो तो चोर को कोसते हैं, घर को नहीं; नहीं पड़ेगा प्रभाव

फिल्म 'श्री रामभूमि' के बारे में

फिल्म 'श्री रामभूमि' को जी स्टूडियोज, डांसिंग शिवा फिल्म्स और सिनेकॉर्न एंटरटेनमेंट मिलकर बना रहे हैं। इस फिल्म में अनपम खेर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अनुपम के अलावा इस फिल्म में ऋत्विक भौमिक और अमृता खानविलकर भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन कामाख्या नारायण सिंह कर रहे हैं।

आगरा में तैनात रहे ARTO ललित कुमार के घर विजिलेंस छापेमारी, 13 ङ्ग सोना और 1.62 करोड़ कैश बरामद

आगरा में तैनात रहे एआरटीओ ललित कुमार के घर यूपी विजिलेंस टीम ने छापा मारा। इस दौरान भारी मात्रा में नकदी और सोना-चांदी बरामद हुए।

(जीएनएस)।

लखनऊः आय से अधिक संपत्ति मामले में यूपी विजिलेंस की ने बड़ी कार्रवाई की है। अफसरों ने बुधवार को आगरा के तत्कालीन एआरटीओ ललित कुमार के लखनऊ स्थित आवास पर छापा मारा। तलाशी के दौरान करीब 1.62 करोड़ रुपये नकद, 13 किलो सोना, 9 किलो चांदी और हीरे-जवाहरात बरामद किए गए। जांच में लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली और नोएडा में कई मकान, प्लॉट, फ्लैट बुकिंग व कृषि भूमि से जुड़े दस्तावेज भी मिले। इसके अलावा दो कारें, रिवॉल्वर और एक करोड़ रुपये से अधिक के निवेश संबंधी दस्तावेज बरामद हुए। बरामद सोना-चांदी और आभूषणों का अनुमानित मूल्य करीब 20 करोड़ रुपये बताया गया है। मामले में आगे की जांच और वैधानिक कार्रवाई जारी है।

बरामद सोना-चांदी और आभूषणों का अनुमानित मूल्य 20 करोड़ रुपये आंका गया है। सतर्कता अधिष्ठान के अनुसार, ललित कुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत वर्ष 2024 में मामला दर्ज किया गया था। शासन के निर्देश पर मामले की जांच चल रही है। सात और आठ जुलाई को लखनऊ के अलीगंज में ललित कुमार के आवास पर छापेमारी की गई।

लखनऊ, नोएडा समेत कई शहरों में भूखंड

तलाशी के दौरान विजिलेंस टीम को बड़ी संख्या में प्रॉपर्टी के दस्तावेज मिले हैं। इनमें लखनऊ, नोएडा, बाराबंकी और रायबरेली में आवासीय प्लॉट, फ्लैट, कृषि भूमि और अन्य अचल संपत्तियां शामिल हैं। दो लग्जरी कारों के साथ बैंक, पोस्ट ऑफिस, यूचुअल फंड और फिक्स्ड डिपॉजिट में एक करोड़ से अधिक के निवेश संबंधी दस्तावेज बरामद हुए हैं।

दो कार बरामद

विजिलेंस टीम को घर से टोयोटा इनोवा और हुंडई आई 20 कार बरामद हुई है। इसके अलावा आरोपी अफसर ने अपने मकान की साजसज्‍ जा और घरेलू उपकरण खरीदने में लाखों रुपये खर्च हैं। इस सफल कार्रवाई के लिए पुलिस महानिदेशक और निदेशक सतर्कता ने लखनऊ सेक्टर की टीम को एक लाख रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की है।

झांसी और लखनऊ में सपा के पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

(जीएनएस)।

लखनऊ। झांसी में गरौठा से समाजवादी पार्टी से विधायक रहे दीप नारायण सिंह यादव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति और मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सामने आने के बाद बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिकंजा कस दिया।

पूर्व विधायक और उनके सहयोगियों के घर व अन्य ठिकानों पर ईडी की आधा दर्जन टीमों ने छापा मारा। झांसी और लखनऊ में एकसाथ पड़ताल की। ईडी की टीम ने पूर्व विधायक के लखनऊ में एल्डिको कॉलोनी में अपार्टमेंट के छठवें तल और कानपुर रोड पर सनराइज अपार्टमेंट के फ्लैट में छापेमारी की है।

पूर्व सपा विधायक दीप नारायण यादव के लखनऊ में ठिकानों कानपुर रोड के सनराइज अपार्टमेंट के रेवती टावर और न्यू हैदराबाद के एल्डिको एम्पेरियोर अपार्टमेंट में चल रही प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापेमारी की।

धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के साथ ही आय से अधिक संपत्ति और अन्य मामलों में दबंग विधायक रहे दीप नारायण सिंह यादव के खिलाफ शिकंजा कसा गया है। इनके खिलाफ गैंग्स्टर एक्ट के तहत भी पहले कार्रवाई की गई है। अधिकांश मामले अवैध खनन के भी हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमों ने बुधवार सुबह 6.30 बजे पूर्व विधायक के कई ठिकानों पर छापामारी की। ईडी के अधिकारियों ने भगवंत पुरा में मून सिटी के साथ पूर्व विधायक के पैतृक गांव बुढ़ावली के साथ कई और ठिकानों पर एक साथ छापा मारा।

पूर्व विधायक के पीए अशोक गोस्वामी के घर भी ईडी ने छापा मारा। इस दौरान मून सिटी के बाहर पैरा मिलिट्रि फोर्स और पीएसी तैनात रही। मोठ में पूर्व चेयरमैन अनिरुद्ध यादव उर्फ बड़े राजा के घर भी छापे मारे गये हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रयागराज जोनल कार्यालय ने बुधवार सुबह धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक दीपनारायण सिंह यादव के झांसी और लखनऊ में कई ठिकानों पर छापेमारी की। झांसी में टीम ने मूनसिटी और सीपरी बाजार थाना के ताज कंपाउंड में में पूर्व विधायक के पीए अशोक गोस्वामी के घर पहुंचकर जांच शुरू की।

पूर्व विधायक से पूछताछ भी

गरौठा से पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव और उनके सहयोगियों के खिलाफ चल रही लॉन्ड्रिंग के सिलसिले में की गई। ईडी के अनुसार जांच उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) की एफआईआर के आधार पर दर्ज ईसीआईआर पर आधारित है।

एफआईआर में पूर्व विधायक पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। ईडी की टीम ने पूर्व विधायक से पूछताछ भी की। इस कार्रवाई के दौरान मूनसिटी के बाहर पैरामिलिट्रि फोर्स के साथ ही पीएसी को तैनात कर दिया गया। हर आने-जाने वाले की निगरानी की गई।

डिजिटल डिवाइस समेत कई संपत्तियों के रिकॉर्ड

मून सिटी में आवास से टीम को महत्वपूर्ण दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस समेत कई संपत्तियों के रिकॉर्ड भी मिले। जिनको कब्जे में लेकर टीम पूर्व विधायक से पूछताछ की जा रही है।

शुभारंभ से पहले बहने लगी लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की मिट्टी, कई जगह फेंसिंग काटी, NHAI अधिकारियों में मचा हड़कंप

30 फीट ऊंचे एक्सप्रेसवे पर अवैध ढंग से पहुंचने व नुकसान पहुंचाने के इरादे का प्रयास

लोकार्पण के बाद एनएचएआइ के अधिकारी चिह्नित करेंगे नुकसान वाले स्थान, पुलिस का भी लेंगे सहयोग

पुरवा क्षेत्र में एक्सप्रेस वे के साइड सपोर्ट वाले कई स्थानों की मिट्टी बहने, पक्का प्लास्टर फटने की भी आई समस्या

(जीएनएस)।

उन्नाव। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के शुभारंभ को जहां आज से महज सात दिन शेष हैं। वहीं इस एक्सप्रेसवे की व्यवस्था को स्थानीय ग्रामीणों द्वारा क्षति पहुंचाए जाने काम शुरू कर दिया गया है। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे की तरह इस एक्सप्रेसवे की फेंसिंग सुरक्षा जालियों आदि को काटकर ग्रामीण एक्सप्रेसवे पर जाने का अवैध रास्ता बना रहे हैं।

सामान्य तौर पर बिना तय रास्ते के 30 फीट ऊंचे एक्सप्रेसवे पर ऐसे पहुंचना आसान नहीं है। इसलिए सपोर्ट में पड़ी मिट्टी को भी ग्रामीणों पर खोदे जाने का आरोप एनएचएआइ की ओर से लग रहा है। एनएचएआइ ने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर ग्रामीणों पर कार्रवाई के तहत मुकदमा दर्ज कराए जाने की भी तैयारी कर ली है।

मानसून भले ही सक्रिय है, लेकिन जनपद में अभी तक ऐसी बरसात नहीं हुई कि बड़े व मजबूत निर्माण ढहने बहने लगें। कम बरसात के बीच गंगा एक्सप्रेसवे के बाद अब लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के साइड सपोर्ट में किए गए काम टूटने, फटने व बहने लगे हैं। इनमें सपोर्ट में लगाई गई मिट्टी कई स्थानों पर बह गई है। वहीं जहां मिट्टी बही है वहां बड़े गड्ढे भी नजर आ रहे हैं।

यह वीडियो भी देखें

इसके अलावा एक्सप्रेसवे पर कोई मवेशी अथवा तय रास्ते के अलावा कोई ग्रामीण न आ जाए। इसके लिए सुरक्षा जालियों व ग्रिलों को भी लगवाया गया है। लेकिन पुरवा क्षेत्र में ही कई स्थानों पर एक्सप्रेसवे की जालियां ग्रिलों को काट दिया गया है। पांच से 15 फीट तक जालियां काटने के बाद गायब कर दी गई हैं। हालांकि बरसात में बही मिट्टी व पक्के प्लास्टर को फटने से लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की मजबूती के लिए कराए गए कामों की पोल खुल गई है। जबकि, 13 जुलाई को एक्सप्रेसवे का उद्घाटन होने जा रहा है।

वहीं क्षेत्र के कई स्थानों में मंगतखेड़ा, पटकापुर, तूरी सहित अन्य स्थानों पर निर्माण संस्था पीएनसी द्वारा लगाई गई जाली भी टूटी व गायब है। जिससे कोई भी जानवर एक्सप्रेसवे पर जा सकता है। जिसके चलते दुर्घटना की भी संभावना बन सकती है। पटकापुर के पास भरान की गई साइड मिट्टी भी धंस गई है। जिससे कभी भी हादसा हो सकता है। ग्रामीण रोहित, रिषभ, अभिषेक, सूरज, करन आदि ने बताया कि एक्सप्रेसवे की कई जगह जालियां टूटी हुई है। जिससे कोई भी जंगली जानवर एक्सप्रेसवे पर जा सकता है। जोकि दुर्घटना का सबब बन सकता है।

जहां वाकई बरसात से मिट्टी बही है उसको व अन्य स्थानों पर हम सही करवा रहे हैं। लेकिन बरसात में जालियां व ग्रिल कट अथवा टूट नहीं जाएंगी। एक्सप्रेसवे पर सड़क सुरक्षा के साथ चौतरफा निगरानी करने के लिए ही 63 किमी में दोनों ओर प्रत्येक एक किमी अपोजिट डायरेक्शन में 126 हाइक्वालिटी के कैमरे लगाए गए है। जो हर हरकत को कवर भी करने लगे हैं। लोकार्पण के बाद जहां भी एक्सप्रेसवे को क्षति पहुंचाई गई है। वहां के ग्रामीण चिह्नित करके उन पर राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान करने के एवज में सख्त कार्रवाई के तहत मुकदमा लिखवाया जाएगा।/

– नकुल वर्मा, परियोजना निदेशक एनएचएआइ, लखनऊ

लखनऊ बना देश का सबसे 'वॉकेबल' शहर, केंद्र के सर्वे में दिल्ली-बेंगलुरु को पछाड़ा

(जीएनएस)।

लखनऊः पैदल यात्री सुविधाओं के मामले में लखनऊ ने देश के सभी बड़े महानगरों को पीछे छोड़ दिया है। केंद्र सरकार द्वारा एक निजी संस्था के जरिए देश के 12 बड़े शहरों में करवाए गए सर्वे में लखनऊ को सबसे ज्यादा 'पैदल चलने लायक' (वॉकेबल) शहर का दर्जा मिला है। यह सर्वे इसी साल अप्रैल से मई 2026 के बीच किया गया था, जिसके नतीजे अब सामने आए हैं।

गोमतीनगर ने बढ़वाए नंबर

केंद्र द्वारा जारी 'न्यूरल सिटीज स्टेट ऑफ इंडियन स्ट्रीट्स रिपोर्ट-2026' के मुताबिक, लखनऊ की 28 फीसदी सड़कें और फुटपाथ ऐसे है, जहां लोग बिना किसी रुकावट या खतरे के पैदल चल सकते हैं। वहीं, इस रेटिंग में देश की राजधानी दिल्ली बेहद पीछे यानी 8वें स्थान पर है।

इन वीआईपी इलाकों ने दिलाई बड़ी बढ़त

सर्वे के दौरान लखनऊ के कुल 346 फुटपाथों की बारीकी से जांच की गई थी। इनमें से 97 फुटपाथ पूरी तरह अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत बेहतर स्थिति में पाए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, लखनऊ को नंबर-1 बनाने में गोमतीनगर, इंदिरानगर, लोहिया पथ और अम्बेडकर पार्क रोड जैसे पॉश इलाकों का बड़ा योगदान रहा, जहां पैदल यात्रियों के लिए शानदार और सुरक्षित व्यवस्था है।

आगे क्या है तैयारी?

एलडीए के वीसी प्रथमेश कुमार ने कहा कि इस रेटिंग से बेहद खुशी है। उन्होंने आगे कहा कि एलडीए का मुख्य लक्ष्य लखनऊ को सुरक्षित और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाना है। इसके लिए फुटपाथ, हरित मार्ग (ग्रीन कॉरिडोर) और सार्वजनिक स्थानों को लगातार अपग्रेड किया जा रहा है। आने वाले समय में हमारी नई येजनाओं और पार्कों में भी पैदल यात्रियों की जरूरतों को सबसे ऊपर रखा जाएगा।

नंबर-1 के तमगे को बरकरार रखने पर रहेगा जोर

वहीं, नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा कि देश के 12 बड़े शहरों में वॉकेबल सिटी के रूप में पहला स्थान पाना लखनऊ के लिए गर्व की बात है। इस नंबर-1 के तमगे को बरकरार रखने के लिए शहर के अन्य इलाकों में जहां भी फुटपाथो पर अवैध कब्जे हैं, उन्हें हटाने के लिए एक कड़ा एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है।

लखनऊ में मौसम बिगड़ा तो दिल्ली से लखनऊ आ रही फ्लाइट अयोध्या डायवर्ट, यात्रियों को नहीं थी इसकी उम्मीद

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बुधवार दोपहर अचानक खराब हुए मौसम के कारण दिल्ली से लखनऊ आ रही फ्लाइट को अयोध्या के लिए डायवर्ट कर दिया गया। लंबे समय के बाद लखनऊ से किसी फ्लाइट को डायवर्ट किया गया।

इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई 5206 में सवार यात्रियों को इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन इनकी सुरक्षा को देखते हुए विमानन कंपनी ने यह फैसला किया। फ्लाइट में कुल 152 यात्री और 6 क्रू मेंबर्स सवार थे, जिन्हें लखनऊ में मौसम साफ होने का इंतजार करना पड़ा। यात्रियों के साथ आज कुछ ऐसा हुआ, जिसकी उम्मीद किसी ने भी नहीं की थी।

लखनऊ में मौसम का मिजाज बिगड़ा। दोपहर होते-होते आसमान से बरसी आफत ने हवाई सेवाओं को भी बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। दिल्ली से लखनऊ के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई 5206 के साथ आज कुछ ऐसा हुआ, जिसकी उम्मीद यात्रियों ने नहीं की थी।

विमान तय समय के अनुसार दोपहर 3:20 बजे लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, अमौसी पर उतरने वाला था। लखनऊ में हो रही भारी बारिश और खराब दृश्यता (श्ड्ढ़'३८) के कारण विमान को सुरक्षित लैंड कराने के लिए हालात बेहद चुनौतीपूर्ण हो गए थे। सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (अळउ) ने विमान को लखनऊ में लैंड करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

हवाई सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए पायलट ने सूझबूझ दिखाई और विमान को निकटतम सुरक्षित हवाई अड्डे, यानी अयोध्या की ओर डायवर्ट कर दिया। विमान को अयोध्या में सुरक्षित उतरा गया। अचानक हुए इस रूट डायवर्जन से यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा है, लेकिन सुरक्षा के लिहाज से यह एक अनिवार्य निर्णय था।

आगरा की महिला को लखनऊ के होटल में बंधक बनाकर एक महीने तक दुष्कर्म, आरोपित गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ। आगरा की निवासी एक महिला को काम दिलाने के बहाने परिचित ने चिनहट बुलाया। उसे यहां एक महीने तक होटल में रखकर दुष्कर्म किया और देह व्यापार का दबाव बनाने के लिए महिला से उसकी दो वर्षीय बच्ची भी छीन ली।

इस प्रकरण आरोपित ने महिला देह व्यापार से मना करने पर उसकी पिटाई कर दी। पुलिस ने महिला की तहरीर पर लखनऊ में चिनहट के लौलई निवासी अनिल सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया और बुधवार को उसको जेल भेज दिया। पुलिस ने बच्ची को सीतापुर के मानपुर से बरामद किया है। महिला को काम के बहाने बुलाने वाली एक युवती की तलाश जारी है।

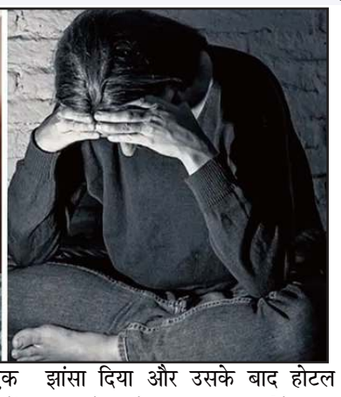

महिला ने बताया कि वह इवेंट मैनेजमेंट का काम करती हैं। एक महीने पहले वह काम की तलाश में सहेली के पास लखनऊ आई थी। नौकरी के सिलसिले में उसकी मुलाकात सहेली ने चिनहट के लौलई निवासी अपने परिचित अनिल कुमार सिंह से कराई गई।

आरोप है कि अनिल सिंह ने उसे अपने शिव गेस्ट हाउस में नौकरी का झांसा दिया और उसके बाद होटल प्राइसलेस ले गए। एक महीने तक होटल में बंधक बनाकर कई बार दुष्कर्म किया। विरोध पर जान से मारने की धमकी दी।

अनिल ने कुछ दिन बाद देह व्यापार का दबाव बनाना शुरू कर दिया। मना करने पर बुरी तरह पीटा और उनकी दो वर्षीय बच्ची को भी छीन लिया। पूछने पर बच्ची के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

वह किसी तरह होटल से भाग निकली और चिनहट थाने पहुंचकर आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। जांच के दौरान अनिल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर सीतापुर के मानपुर में एक गांव से एक महिला के पास से बच्ची को सकुशल बरामद किया।

इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि बच्ची को सकुशल बरामद कर मां को सौंप दिया गया है। आरोपित को गिरफ्तार कर अन्य बिंदुओं पर जांच जारी है।

लेनदेन के बिंदु पर भी जांच

पुलिस से पूछताछ में अनिल ने कहा कि महिला उसकी पूर्व परिचित है।

लखनऊ संस्कृत विश्वविद्यालय में 'सकारात्मक' तंत्र साधना; समाज में फैली भ्रांतियां दूर करना उद्देश्य

दक्षिण पंथी तंत्र में इसे पूरी तरह सात्विक रूप में अपनाया जाता है. यहां बलि का मतलब पशु बलि नहीं होगा.

(जीएनएस)।

लखनऊः संस्कृत विश्वविद्यालय अब तंत्र विद्या को अंधविश्वास की जगह अकादमिक और वैज्ञानिक नजरिए से पढ़ाएगा. इसके लिए विश्वविद्यालय कैंपस में विशेष 'साधना कक्ष' बनाया जा रहा है. विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि इसका उद्देश्य तंत्र के सकारात्मक पक्ष को सामने लाना है. जैसे ध्यान, मनोविज्ञान, तनाव प्रबंधन और आत्म-नियंत्रण है.

विश्वविद्यालय के निदेशक सर्व नारायण झा ने बताया कि तंत्र को लेकर समाज में कई भ्रांतियां हैं. हमारा प्रयास इसे पाठ्यक्रम और शोध के जरिए साफ करना है. इस कक्ष में साधना करने वाले छात्रों को तंत्र के इतिहास, सामाजिक प्रभाव और वैज्ञानिक आधार पढ़ाया जाता है.

तंत्र साधना में अनुशासन और आचार संहिता का पालन हर हाल में शिष्य को करना होगा. नियम तोड़ने पर दीक्षा रद्द करने का भी प्रावधान होता है. तंत्र की 10 महाविद्याओं को मुख्य आधार बनाया गया है. महाविद्या देवी के 10 रूप हैं, जिन्हें शक्ति और ज्ञान का अलग-अलग आयाम माना जाता है. यह हैं, काली, तारा, षोडशी या त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, भैरवी, छिन्नमस्ता, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला.

विश्वविद्यालय के अनुसार प्रत्येक महाविद्या को एक मनोवैज्ञानिक और प्रतीकात्मक दृष्टि से सिखाया जाता है. उदाहरण के लिए काली को समय और परिवर्तन की शक्ति, तारा को मार्गदर्शन, भुवनेश्वरी को सृष्टि का विस्तार और कमला को समृद्धि और संतोष से जोड़ा जाता है. छात्रों को बताया जाएगा कि इन रूपों का ध्यान और जप कैसे मानसिक स्थिरता और एकाग्रता बढ़ा सकता है.

दक्षिणपंथी और वामपंथी तंत्र में अंतरः साधना में तंत्र के दो मार्गों को भी समझाया जाएगा. विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि यहां केवल दक्षिणपंथी तंत्र सिखाया जाएगा. दक्षिणपंथी तंत्र को सकारात्मक और सात्विक मार्ग माना जाता है. इसमें पूजा, ध्यान, मंत्र जप और आत्मशुद्धि पर जोर रहता है. इसमें किसी भी तरह की हिंसा या वर्जित कर्म नहीं होते.

वहीं, वामपंथी तंत्र को पाठ्यक्रम में नकारात्मक मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण के रूप में पढ़ाया जाएगा. इसका उद्देश्य छात्रों को बताना है कि कैसे कुछ प्रथाएं समाज में गलतफहमी पैदा करती हैं और उनका शैक्षणिक आधार क्या है. विश्वविद्यालय का कहना है कि शोध का मकसद तुलना करके यह समझना है कि प्राचीन काल में इन मार्गों को क्यों अलग-अलग देखा गया.

सात्विक बलि का क्या अर्थ हैः तंत्र साधना में बलि शब्द को लेकर अक्सर गलतफहमी होती है. दक्षिण पंथी तंत्र में इसे पूरी तरह सात्विक रूप में अपनाया जाता है. यहां बलि का मतलब पशु बलि नहीं होगा. इसके स्थान पर नारियल, फल, मिठाई, अक्षत और पुष्प जैसी वस्तुएं चढ़ाई जाएंगी.

शिक्षकों का कहना है कि प्राचीन ग्रंथों में बलि का अर्थ समर्पण और अहंकार का त्याग भी माना गया है. सात्विक बलि में साधक अपनी बुरी आदतों, क्रोध और लालच को देवी को समर्पित करता है. साधना कक्ष में होने वाले सभी अनुष्ठान विश्वविद्यालय की आचार समिति की निगरानी में होंगे.

इसका उद्देश्य छात्रों को यह सिखाना है कि आस्था और विज्ञान साथ-साथ चल सकते हैं. प्रशासन का मानना है कि इस पहल से तंत्र विद्या पर होने वाला शोध न सिर्फ भारत में बल्कि विदेशों में भी ध्यान आकर्षित करेगा.

तंत्र साधक शशिरंजन गिरि ने बताया कि तंत्र साधना को लेकर बहुत सारे भ्रम हैं. बहुत से लोग तंत्र साधना के नाम पर लोगों को ठगने का भी प्रयास करते हैं. यह तंत्र नहीं है. तंत्र मानव कल्याण के लिए होता है. यही साधना की शक्ति है.

मंदाकिनी की पीड़ा पहुंची मुख्यमंत्री तक, पुनरुद्धार के लिए बनेगी कार्ययोजना

(जीएनएस)।

चित्रकूट। योगी जी, मैं प्रभु श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट हूं आपने मुझे संवारा, अब मंदाकिनी व कामदगिरि को भी संवार दीजिए। तपोभूमि की यह पुकार सीएम ने सुन लिया है। जनसभा से समीक्षा बैठक तक में उन्होंने मंदाकिनी की चिंता की। सिंचाई विभाग को निर्देश दिया कि मंदाकिनी नदी के पुनरुत्थान के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए।

तपोभूमि की जीवनरेखा और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र मंदाकिनी नदी की बदहाल स्थिति आखिरकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकताओं में शामिल हो गई। जनसभा में मंदाकिनी का विशेष उल्लेख करने के बाद उन्होंने कलेक्ट्रेट में हुई समीक्षा बैठक में अधिकारियों को नदी के पुनरुत्थान के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र अमल में लाने के निर्देश दिए। इससे वर्षों से प्रदूषण और अव्यवस्था से जूझ रही मंदाकिनी के संरक्षण की उम्मीद फिर जागी है।

मुख्यमंत्री ने जनसभा में चित्रकूट की धार्मिक पहचान का उल्लेख करते हुए जय श्रीराम और जय श्रीहनुमान के साथ "जय मंदाकिनी माता" का उद्घोष भी कराया। उन्होंने कहा कि मंदाकिनी केवल एक नदी नहीं, बल्कि चित्रकूट की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की जीवनरेखा है। इसके संरक्षण और स्वच्छता के लिए सरकार गंभीर है। बाद में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने सिंचाई विभाग को निर्देश दिए कि मंदाकिनी नदी के पुनरुत्थान के लिए ठोस और प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर शासन को भेजी जाए।

उन्होंने नदी को स्वच्छ, निर्मल और श्रद्धालुओं के अनुकूल बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों के समन्वय से कार्य करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री के इस निर्देश से मंदाकिनी के संरक्षण और पुनर्जीवन की दिशा में ठोस पहल की उम्मीद बढ़ गई है। बता दें कि दैनिक जागरण ने बुधवार को अंक में तपोभूमि की मार्मिक चिट्ठी सीएम योगी आदित्यनाथ के नाम छापी थी।

सपा के 'पीडीए' कार्ड पर सीएम योगी का हमला, कन्नौज मेडिकल कालेज के नाम बदलने पर घेरा

(जीएनएस)।

चित्रकूट। तपोभूमि की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास के साथ सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। भगवान श्रीराम की तपोभूमि से उन्होंने समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के राजनीतिक अभियान पर निशाना साधते हुए बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर के सम्मान का मुद्दा उछाला। उन्होंने आरोप लगाया कि जो दल आज बाबा साहब के नाम पर राजनीति करते हैं, सत्ता में रहते हुए उन्होंने कन्नौज मेडिकल कालेज से डॉ. आंबेडकर का नाम हटा दिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का आचरण दोहरा है। एक ओर वे बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर के सम्मान की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर उनके नाम और विरासत का सम्मान नहीं करते। उन्होंने कन्नौज मेडिकल कालेज का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने वहां से बाबा साहब का नाम हटा दिया था।

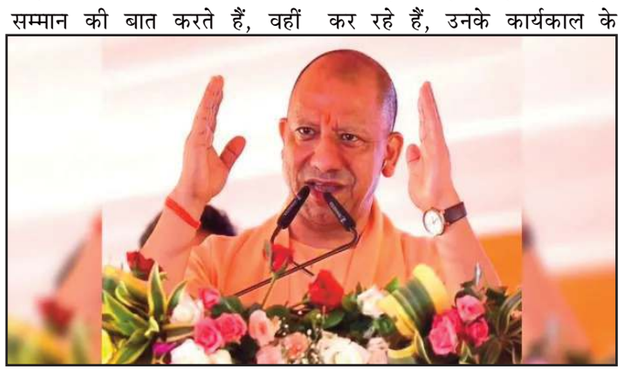

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग आज दलित हितैषी होने का दावा कर रहे हैं, उनके कार्यकाल के फैसले उनकी कथनी और करनी का अंतर बताते हैं। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर परिवारवाद और जातीय राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता में आने के बाद उनकी प्राथमिकता केवल एक परिवार तक सीमित रह जाती है। उन्होंने कहा कि विकास की बजाय समाज को जाति, क्षेत्र और भाषा के आधार पर बांटने की राजनीति की जाती है, जिससे सामाजिक ताना-बाना कमजोर होता है।

उन्होंने लालापुर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम का भी उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि सपाईयों के गुंडों ने वहां भी कब्जे की कोशिश हुई थी, लेकिन उनकी सरकार थी तो घुस नहीं पाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार बाबा साहब, महर्षि वाल्मीकि और भगवान श्रीराम, तीनों की विरासत का समान सम्मान करते हुए विकास और सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ा रही है। चित्रकूट से कन्नौज का उदाहरण देकर मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड के साथ-साथ प्रदेश के दलित और पिछड़े वर्ग के मतदाताओं तक भी स्पष्ट राजनीतिक संदेश पहुंचाने का प्रयास किया।

लखनऊ मेट्रो रूटों पर फीडर बसें चलेंगी, 20 किलोमीटर दायरे में एसी बसें चलाने की तैयारी

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन अब मेट्रो रूट पर अपनी फीडर बसें चलाएगा. यह सीएनजी से चलने वाली एसी बसें होंगी जो 10 से 20 सीटर होगी. इन्हीं बसों से मेट्रो रूट के अंदर पड़ने वाले क्षेत्र से सवारियों को उठाकर मेट्रो स्टेशन तक पहुंचाया जाएगा. इसके लिए सर्वे शुरू हो गया है. परिवहन विभाग के 28 कर्मचारियों की ड्यूटी इस सर्वे के लिए लगाई गई है. सर्वे रिपोर्ट मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को सौंपी जाएगी. इसके बाद शासन को भेजी जाएगी. शासन से मुहर लगने के बाद एसी बसों को चलाने पर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन अमल करेगा.

क्या है प्लानः उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन शहरवासियों को मेट्रो स्टेशन तक पहुंचाने और इसके बाद मेट्रो ट्रेन से उनकी मंजिल तक पहुंचाने की कवायद में जुट गया है. मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो पकड़ने के लिए यात्रियों को पहुंचने में कोई समस्या न हो इसे लेकर अब मेट्रो रेल कॉरपोरेशन सीएनजी से संचालित होने वाली 10 से 20 सीटर एसी बसों का ऑपरेशन शुरू करने का प्लान बना रहा है. स्टेशनों के 20 किलोमीटर के दायरे में यह बसें संचालित की जाएंगी. विभिन्न क्षेत्रों से सवारियां बिठाकर यह बसें मेट्रो स्टेशन तक छोड़ेंगी. इसके बाद यात्री यहां से मेट्रो ट्रेन पकड़ सकेंगे.

कब से शुरू हुआ है सर्वेः पिछले दिनों संभागीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक में ये निर्णय लिया गया था. इसके बाद उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने प्रस्तावित रूटों का प्रस्ताव परिवहन विभाग को भेजा था.

इसी प्रस्ताव के आधार पर विभाग की तरफ से सर्वेक्षण शुरू कर दिया गया है. सर्वे पूरा होने के बाद इसकी रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी. यहां से मुहर लगने के बाद मेट्रो फीडर सर्विस बस का ऑपरेशन प्रारंभ कराएगा. लखनऊ के एआरटीओ (प्रवर्तन) द्वितीय आलोक कुमार यादव को इस सर्वे का नोडल अफसर नामित किया गया है. मेट्रो रूट पर सर्वे के लिए लखनऊ के आरटीओ कार्यालय और एआरटीओ देवा रोड कार्यालय के 28 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है. मंगलवार से कर्मचारियों ने रूट का सर्वे भी शुरू कर दिया है.

कौन-कौन से रूटों पर हो रहा है सर्वे

ट्रांसपोर्ट नगर से अहिमामऊ उतरेटिया लुलु मॉल इकाना स्टेडियम.

मुंशी पुलिया से छठा मील चौराहा रूट पर मुंशी पुलिया, खुर्रम नगर, कल्याणपुर, टेढ़ी पुलिया, आईआईटी और आईआईएम तिराहा.

अमौसी से बंथरा रूट पर नादरगंज, हाइड्रिल चौराहा, स्कूटर इंडिया और सरोजिनी नगर

इंदिरा नगर से उतरेटिया रूट पर लुलु मॉल, अहिमामऊ, इकाना स्टेडियम, हुसड़िया चौराहा, अवध बस स्टैंड और पॉलिटेक्निक चौराहा.

बादशाह नगर से इंटीग्रल यूनिवर्सिटी रूट पर रहीम नगर, डांडहिया, गुलाचीन मंदिर, टेढ़ी पुलिया, ।आदिल नगर, गुडंबा थाना और बसहा गांव

सिंगर नगर से सीतापुर बाईपास रूट पर अवध, आंबेडकर चौराहा, बुद्धेश्वर, दुबग्गा, सीतापुर बाईपास.

सिंगर नगर से मोहनलालगंज रूट पर वीवीआईपी रोड, रायबरेली रोड, तेलीबाग, उतरेटिया और साईं नगर.

इंदिरा नगर से अनौरा कला रोड पर पॉलिटेक्नक चौराहा, कमता, चिनहट तिराहा, मटियारी, तिवारीगंज और अनोरा कला अंडरपास.

अमौसी से अमौसी रेलवे स्टेशन रूट पर नादरगंज, होंडा तिराहा, रेनॉल्ट, नहर चौराहा, गिदनखेड़ा

कृष्णा नगर से विजयनगर रूट पर कृष्णा नगर, वॉटर टैंक तिराहा, विनय नगर, इंद्रलोक कॉलोनी, विजय नगर, पारा रोड, फिटबॉक्स हेल्थ फिटनेस जोन, बाल्दीखेड़ा.

ट्रांसपोर्ट नगर से पाल मार्केट रोड पर शहीदपथ तिराहा, कानपुर रोड, मानसरोवर अंडरपास, ब्लू डार्ट एक्सप्रेस, पार्किंग एक, दो और पांच शामिल हैं.

कृष्णा नगर से लोकबंधु अस्पताल रोड पर चुंगी तिराहा, हिंद नगर, शिवालिक, शनि मंदिर, एलडीए कॉलोनी, लोहिया विधि विश्वविद्यालय, आशियाना पावर हाउस, बीएसएनएल, आरटीटीसी और लोकबंधु अस्पताल.

आलमबाग से आरडीएसओ रूट पर रामनगर, श्रीनगर, चित्रगुप्त नगर, समर विहार, श्याम नगर, वीजी कॉलोनी.

दुगार्पुरी से माल रोड रूट पर चारबाग, नाका, सीएमएस, ऐशबाग रोड, मोतीझील, हैदरगंज, एवरेडी चौराहा, मवैया मंदिर.

चारबाग से केडी सिंह स्टेडियम रोड पर नाका हिंडोला, रकाबगंज, याहियागंज अमीनाबाद, गौतम बुद्ध पार्क, सीएसआईआर और केडी सिंह बाबू स्टेडियम.

चारबाग से नाका रोड पर बांस मंडी, हिबेट चौराहा, अमीनाबाद चौराहा.

सचिवालय से नई बस्ती रूट पर वेलिंगटन, उदयगंज, नक्खास, सदर बाजार.

सचिवालय से शुभम सिनेमा रूट पर बीएन रोड, कैसरबाग, आरके टंडन रोड, चार बत्ती चौराहा, कैंट रोड रेडिसन होटल और शुभम सिनेमा.

हजरतगंज से कैथेड्रल रूट पर सिविल अस्पताल, कालिदास मार्ग, लोहिया पथ, 1090 चौराहा, बटलर रोड, राणा प्रताप मार्ग, सिकंदराबाद, अशोक मार्ग और सप्रू मार्ग.

आईटी कॉलेज से लखनऊ विश्वविद्यालय रूट पर आईटी कॉलेज चौराहा, खाटू श्याम मंदिर, रेरा ऑफिस.

लेखराज से लेखराज मार्ग रोड पर शक्तिनगर, शालीमार, आम्रपाली, सर्वोदय नगर, घोसी पुरवा और मीना मार्केट.

इंदिरा नगर से एचएएल रूट पर पॉलिटेक्निक चौराहा, गोमती नगर रेलवे स्टेशन, दयाल, विनम्र खंड, कठौता, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान और फैजाबाद रोड.

लेखराज से ताज होटल रूट पर फैजाबाद रोड, रविंद्र पल्ली कॉलोनी, बड़ी जुगौली, लोहिया पार्क और अंबेडकर चौराहा.

मुंशी पुलिया से साहू पैलेस रूट पर मंजू हॉस्पिटल, सेक्टर 11, अमराई गांव, बजरंग तिराहा, बुद्ध विहार और चंदन रोड तिराहा.

किस-किस तरह का होगा सर्वे

सर्वे में चेक होगी रूट की कुल लंबाई, रूट का राष्ट्रीयकरण हुआ है या नहीं, रूट नगर निगम सीमा के अंदर है या नहीं, जनहित व राजस्व की क्या उपयोगिता है, हर रूट का गूगल मैप उपलब्ध है या नहीं

'यूपी के एक नेता ने कहा था नकल करना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार...', सीएम योगी ने साधा निशाना

सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज वाराणसी में शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया. इस दौरान उन्होंने पुरानी सरकारों में शिक्षा की दुर्गति को लेकर निशाना साधा.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर दिया हैं. उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज की आधारशिला है. इसके बाद कुछ भी होना असंभव है. वहीं उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि यूपी के एक नेता ने कहा था कि नकल करना हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है.

सीएम योगी ने ये बात वाराणसी में आयोजित शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के शुभारंभ के दौरान कही. उन्होंने कहा कि शिक्षा हर नागरिक का दायित्व बनता है लेकिन, शिक्षक का दायित्व सबसे ज्यादा बनता है कि हम हर बच्चे को स्कूल लेकर जाएं. सुदृढ़ नींव पर ही सशक्त भवन खड़ा हो सकता है, इसका दायित्व आप पर है.

सीएम योगी ने शिक्षा पर दिया जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा समाज की आधारशिला है और शिक्षा के बगैर कुछ भी हो पाना असंभव है. शिक्षा की उपेक्षा हुई तो आपने उत्तरप्रदेश को देखा होगा कि बीमारू राज्य हो गया. एक समय ऐसा भी आया जब यूपी की शिक्षा व्यवस्था को लोगों ने अपने निहित स्वार्थ के लिए पूरी तरह बर्बाद कर दिया था.

शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना

सीएम योगी ने कहा कि शिक्षा विभाग का अभी एक एक एमओयू स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ हुआ है. जिसमें हर एक शिक्षक, शिक्षामित्र संविदा कर्मियों को, जिनका वेतन 10 हजार से अधिक है, उन्हें भी इंश्योरेंस कवर मिलेगा.

उन्होंने कहा कि हम आपसे गुरुदक्षिणा में बस यही मांगते हैं कि आप बच्चों पर ध्यान दें. विद्यालय का वातावरण साफ, स्वच्छ, सुंदर लगे. एक समय था, जब देश भर में यूपी के शिक्षक जाते थे. अरुणाचल में ज्यादातर शिक्षक यूपी से गए थे. एक समय ये भी आया जब अपने स्वार्थ के लिए शिक्षा को बर्बाद कर दिया.

काशी विश्वनाथ मंदिर में अलग द्वार से दर्शन कर सकेंगे बनारस वाले, सावन को लेकर प्रशासन ने शुरू की तैयारी

पुरानी सरकारों पर साधा निशाना

उत्तर प्रदेश एक समय बीमारू राज्य हो गया था. आज से 8-9 साल पहले जब आप बाहर नौकरी के लिए जाते होंगे, तो आपको पहचान का संकट हो जाता होगा. शिक्षा का उन्नयन हुआ, यूपी अब दौड़ता हुआ नजर आ रहा है. स्कूलों में अब नकल मुक्त परीक्षा होती है. पहले तीन महीने तक माध्यमिक परीक्षा चलती थी. परीक्षा के लिए तीन महीने का मतलब क्या? अब 14 दिन में परीक्षा और 14 दिन में रिजल्ट, एक महीने के अंदर सब कुछ हो जाता है.

यूपी के एक नेता ने कहा था कि नकल करना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है. अगर नकल करना जन्मसिद्ध अधिकार है, तो क्या कर सकते हैं? देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ का अधिकार किसी को नहीं हो सकता. आपके आदर्श आचार्य चाणक्य हो सकते हैं.

11 दिन तक पत्नी के बिस्तर पर छोड़ा कोबरा! गला घोंटा-हाथ में गाड़े दांत, पोस्टमॉर्टम से फंसा पति

(जीएनएस)।

14 साल पहले शादी, दो बच्चे, बैंक में नौकरी और बाहर से देखने पर एक सामान्य परिवार। लेकिन इस घर के भीतर ऐसी साजिश पल रही थी, जिसने पूरे देश को चौंका दिया। दिल्ली वाली प्रेमिका के चक्कर में बैंक अधिकारी पति ने अपनी ही पत्नी की हत्या को नैचुरल मौत दिखाने की साजिश रची। पति ने ऐसा प्लान बनाया, जिसकी कल्पना भी मुश्किल है। वह इंदौर से करीब 620 किलोमीटर दूर राजस्थान के अलवर पहुंचा, वहां से 30 हजार रुपये में जिंदा कोबरा खरीदा, 11 दिन तक उसे घर में छिपाकर रखा और फिर एक दिन पत्नी की हत्या के बाद उसी सांप का इस्तेमाल साक्ष्य मिटाने के लिए किया। लेकिन जिस कोबरा को उसने अपनी सबसे बड़ी ढाल बनाया था, वही पोस्टमॉर्टम और फोरेंसिक जांच के सामने बेकसूर साबित हो गया। आखिरकार करीब साढ़े छह साल बाद अदालत ने आरोपी पति अमितेष उर्फ शालू पटेरिया को

उम्रकैद की सजा सुना दी। आइए विस्तार से जानते हैं कि पत्नी को अपने रास्ते से हटाने के लिए कैसी कैसी चाल पति ने चली ?

35 वर्षीय शिवानी पटेरिया इंदौर की रहने वाली थीं। उनकी शादी बैंक अधिकारी अमितेष उर्फ शालू पटेरिया से हुई थी। दोनों के दो बच्चे भी हैं। शुरूआत में सब कुछ सामान्य था, लेकिन समय के साथ पति-पत्नी के रिश्ते में दरार बढ़ती गई। मायके पक्ष का आरोप था कि अमितेष का दूसरी महिला से संबंध था और वह शिवानी से छुटकारा चाहता था। दहेज को लेकर भी विवाद और प्रताड़ना के आरोप लगाए गए।

पुलिस जांच में सामने आया कि अमितेष ने हत्या का फैसला पहले ही कर लिया था। इसके लिए उसने राजस्थान के अलवर से ब्लैक डेजर्ट प्रजाति का विषैला कोबरा करीब 30 हजार रुपये में खरीदा। वह सांप को 11 दिनों तक अपने घर में छिपाकर रखता रहा ताकि सही समय पर उसका इस्तेमाल कर सके।

1 दिसंबर 2019 को शिवानी की तबीयत बिगड़ने की सूचना देकर उन्हें इंदौर के एमवाय अस्पताल ले जाया गया। पति और उसके साथ मौजूद किरायेदार ने डॉक्टरों से कहा कि शिवानी की मौत सांप के डसने से हुई है।

यूपी में ईवी सब्सिडी के लिए परिवहन विभाग को मिले हजारों आवेदन; टॉप पर रहे लखनऊ, नोएडा, आगरा और गाजियाबाद

(जीएनएस)। लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण एवं मोबिलिटी प्रोत्साहन नीति-2022 का प्रभाव प्रदेशभर में तेजी से दिखाई दे रहा है। परिवहन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक ईवी क्रय सब्सिडी योजना के तहत प्रदेश के सभी जिलों में लोगों की रुचि इलेक्ट्रिक वाहनों में लगातार बढ़ रही है। योजना का लाभ लेने के लिए सबसे अधिक आवेदन राजधानी लखनऊ से मिले हैं। वहीं नोएडा, आगरा, गाजियाबाद और वाराणसी भी शीर्ष स्थानों पर हैं।

परिवहन विभाग के मुताबिक लखनऊ ट्रांसपोर्ट नगर आरटीओ में सबसे ज्यादा 12,520 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके बाद आगरा में 10,752, गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) में 6,088, गाजियाबाद में 5,556, वाराणसी में 4,059, कानपुर नगर में 3,895, लखनऊ महानगर एआरटीओ में 3,839, सहारनपुर में 3,768, गोरखपुर में 3,204 और प्रयागराज में 3,110 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

प्रदेश के छोटे जिलों में भी इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति लोगों का रुझान बढ़ रहा है। मऊ में ईवी क्रय सब्सिडी योजना के तहत 817 आवेदन, गाजीपुर में 750, कुशीनगर में 547, उन्नाव में 387, संत कबीर नगर में 101, महाराजगंज में 170 और सिद्धार्थनगर में 74 आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि प्रदेश के बड़े शहरों के साथ-साथ अन्य जिलों में भी इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर लोगों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

रोड टैक्स, पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट

प्रदेश सरकार की इस योजना से वाहन मालिकों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ मिल रहा है। दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर 5 हजार रुपये की राज्य सब्सिडी दी जा रही है। इसके अलावा रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट भी प्रदान की जा रही है। इतना ही नहीं, स्मार्ट कार्ड आरसी और एचएसआरपी नंबर प्लेट शुल्क में भी राहत मिलने से एक दोपहिया ईवी खरीदने पर कुल करीब 18 हजार रुपये तक की बचत संभव हो रही है।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि योजना के तहत गैर सरकारी ई-बसों पर पर 20 लाख रुपये तक, चार पहिया वाहनों पर 1 लाख रुपये तक और दो पहिया वाहन पर 5 हजार रुपये तक छूट दी जा रही है।

लोगों को इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ लेना चाहिए। इससे जीरो एमिशन के लक्ष्य को प्राप्त कर पर्यावरण बेहतर बनाया जा सकता है।

पेट्रोल-डीजल की तुलना में ईवी किफायती

परिवहन विभाग के मुताबिक इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने वाले उपभोक्ताओं को केवल खरीद के समय ही नहीं, बल्कि संचालन के दौरान भी लाभ मिलता है। पेट्रोल और डीजल वाहनों की तुलना में ईवी की प्रति किलोमीटर परिचालन लागत कम होने से रोजाना यात्रा करने वालों को हर वर्ष हजारों रुपये की बचत हो रही है।